>

Title: Regarding working of Damodar Valley Corporation in Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): उपाध्यक्ष महोदय, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत जब दामोदर वैली कार्पोरेशन का निर्माण हुआ, उस जमाने से भूमि संरक्षण, वृक्षारोपण, मत्स्य पालन, सिंचाई एवं विद्युत उत्पादन करना इसका मुख्य उद्देश्य था। लेकिन 65 वर्ष गुजर जाने के बाद भी झारखंड में डीवीसी द्वारा बिजली का उत्पादन 40 प्रतिशत है। सिंचाई की व्यवस्था बंगाल में है। झारखंड राज्य में चाहे कोनार डैम हो या दामोदर वैली कार्पोरेशन का बोकारो थर्मल हो, चंद्रपुरा हो, वहां के अगल-बगल के ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है और वृक्षारोपण का कार्य भी नहीं किया जा रहा है। भूसंरक्षण के माध्यम से जो छोटे-छोटे चैक डैम बनाने हैं, 65 वर्ष के दरम्यान उस इलाके में काम नगण्य है। हम समिति में भी इस बारे में बात रखते हैं, लेकिन कार्यवाही शून्य है।...(व्यवधान)

हम आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करते हैं कि इस पर अविलंब आदेश निर्गत किए जाएं कि दामोदर वैली कार्पोरेशन उस क्षेत्र में कार्य करे। आपने समय दिया।